2015

HINDI

[Honours]

PAPER – V

Full Marks : 90

Time : 4 hours

The figures in the right-hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

खण्ड — क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8 × 3

(क) "उस दुनिया में रहो जिसमें बहुत से बुद्धिजीवी आँख मूँदकर पड़े हैं । होटलों और क्लबों में । शराब खानों में अथवा कहवा घरों में, चण्डीगढ़–भोपाल–बंगलोर के नवनिर्मित

भवनों मे, पहाड़ी आरामगाहों में जहाँ कभी न खतम होनेवाले सेमिनार चल रहे हैं । विदेशी मदद से बने हुए नये-नये शोध-संस्थानों में, जिनमें भारतीय प्रतिभा का निर्माण हो रहा है । चुरूट के धुएँ, चमकीली जैकेटवाली किताबें और गलत, किंतु अनिवार्य अंग्रेजी की धुंधवाले विश्वविद्यालयों में । वहीं कहीं जाकर जम जाओ ।''

(*ख*) चोरी कीजिए, डाके डालिए, घरों में आग लगाइए, गरीबों का गला काटिए, कोई आपसे न बोलेगा । बस, कर्मचारियों की मुठ्ठियाँ गर्म करते रहिए । दिन-दहाड़े खून कीजिए, पर पुलिस की पूजा कर दीजिए, आप बेदाग छूट जायेंगे, आपके बदले कोई बेकसूर फाँसी पर लटका दिया जायेगा । कोई फरियाद नहीं सुनता । कौन सुने, सभी एक ही थैले के चट्टे-बट्टे हैं ।''

(*ग*) विचित्र जीवन था इनका । घर में मिट्टी के दो-चार बर्त्तनों के सिवा कुछ भी नहीं । फटे-चीथड़ों में अपनी नग्नता को ढ़ाके हुए जिए जाते थे । संसार की चिन्ताओं से मुक्त । कर्ज से लदे हुए, गालियाँ भी खाते, मार भी खाते, मगर कोई गम नहीं । दीन इतने थे कि वसूली की बिल्कुल आशा न रहने पर भी लोग इन्हें कुछ-न-कुछ दे देते थे ।''

(*घ*) ''मेरा हाल तो मेरा खुदा ही जानता है । चिराग वहाँ साथ होता तो और बात होती । मैंने उसे कितना समझाया था कि

मेरे साथ चला-चल । पर वह जिद पर अड़ा रहा कि नया मकान छोड़कर नहीं जाऊँगा-यह अपनी गली है, यहाँ कोई खतरा नहीं है । भोले कबूतर ने यह नहीं सोचा कि गली में खतरा न हो, पर बाहर से तो खतरा आ सकता है । मकान की रखवाली के लिए चारों ने अपनी जान दे दी ।"

(ङ) "उनकी उम्र पैतालीस के लगभग था, किन्तु पचास-पचपन के लगते थे । शरीर का चमड़ा झूलने लगा था । गंजी खोपड़ी आइने की भांति चमक रही थी । --- उनका खाना समाप्त हो गया था और वे थाली में बचे-खुचे दानों को बन्दर की तरह बीन रहे थे ।"

खण्ड — ख

2. किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15 × 2

(*क*) 'राग-दरबारी' उपन्यास की अन्तर्वस्तु का विवेचन करते हुए उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए ।

(*ख*) 'रंगभूमि' उपन्यास की कथा-चेतना पर स्वाधीनता-संग्राम का गहरा प्रभाव है'— इस तथ्य की पुष्टि कीजिए ।

(*ग*) 'दोपहर का भोजन' कहानी की व्यावहारिक समीक्षा कीजिए ।

(घ) शिल्प-संरचना की दृष्टि से 'गंगा मैया' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए।

(ङ) बदलते परंपरागत संबंधों के आलोक में 'संबंध' कहानी की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।

3. किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8×2

(क) "'कफन' कहानी में घीसू-माधव की अकर्मण्यता समाज-व्यवस्था की उपज है" — इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(ख) रंगनाथ के चरित्र पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

(ग) 'गंगा मैया' उपन्यास की कथावस्तु के लोक-तत्वों पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'हंसो-जाई अकेला' कहानी के शिल्प-पक्ष की समीक्षा कीजिए।

(ङ) कहानी-तत्वों के आधार पर 'अमृतसर आ गया' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

4. किन्हीं *पाँच* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×5

(क) 'राग-दरबारी' उपन्यास में निहित व्यंग्य-पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'ऊँचाई' कहानी की मूल संवेदना पर विचार कीजिए ।

(ग) 'रंगभूमि' उपन्यास के कथानायक सूरदास की संघर्ष-चेतना को स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'मलबे का मालिक' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

(ङ) लोक-चेतना की दृष्टि से 'रसप्रिया' कहानी की समीक्षा कीजिए ।

(च) 'अमृतसर आ गया' कहानी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए ।

(छ) "'कफन' कहानी श्रमजीवी-समाज का शोकगान है" — तर्कसंगत विचार कीजिए ।